दूर हटो ए दुनियावालों, हिंदुस्तान हमारा है

डॉ. विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

29 जनवरी 1963 को लालकिले की प्राचीर पर सैनिकों की याद में राष्ट्र को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था, कहा जाता है वहाँ स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने जब 'ए मेरे वतन के लोगों' गीत गाया तो उसे सुनकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की आँखों में आंसू आ गए थे, तब से आज तक ये अमर गीत देशभक्ति का पर्याय बना हुआ है.

आखिर कौन है इस महान गीत के रचनाकार जिन्होंने राष्ट्र भक्ति से भरपूर इस और इस जैसे और भी न जाने कितने गीतों की रचना की, तो दोस्तों वो कवि हैं 'पंडित रामचंद्र नारायणजी द्विवेदी', जिन्हें हम सब कवि प्रदीप के रूप में जानते हैं, वे भारतीय सिनेमा और साहित्य दोनों में एक विशिष्ट स्थान रखते हैं. वे हिंदी के उन महान कवियों में शामिल हैं जिनकी लेखनी ने इस देश की आत्मा को सच्ची आवाज़ प्रदान की . उनके लिखे गीतों में अटूट देशभक्ति, जीवन का गहरा दर्शन और आध्यात्मिकता के भाव समाये हुए हैं .

1940 के दशक में जब राष्ट्रीय आंदोलन चरम अवस्था में था, प्रदीप की कविताएँ और गीत लोगों की आवाज़ बन गए. उनके काव्य में सरल भाषा, प्रभावशाली बिंब और गहरी देशभक्ति दिखाई देती थी. उनकी कविताएँ पढ़कर ऐसा लगता था, मानो वे सीधे दिल से निकलकर जनता के दिल में उतर जाती हों .

उज्जैन के बड़नगर में जन्मे प्रदीप जी को बाल्यकाल से ही कविता में रुचि थी. बम्बई में एक गोष्ठी में उनकी मुलाक़ात फ़िल्म निर्देशक एन आर आचार्य से हुई, उन्होंने प्रदीप जी की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें बॉम्बे टाकीज के मालिक हिमांशु राय से मिलवाया. हिमांशु रॉय उनकी कविताओं से इतने मुतासिर हुए कि उन्हें तुरंत दो सौ रुपये प्रति माह वेतन पर फिल्मों में गीत लेखन के लिये अनुबंधित कर लिया. प्रदीप जी का फिल्मी सफ़र 1939 की फ़िल्म 'कंगन' से शुरू हुआ, जिसके लिये उन्होंने चार गाने लिखे साथ ही तीन गानों को अपना स्वर भी दिया. 1940 में उनके लिखे फ़िल्म 'बंधन' के गीत, 'चने ज़ोर गरम', 'पियु पियु बोल' और 'चल चल रे नौजवान' काफ़ी लोकप्रिय हुए, खासकर 'चल चल रे नौजवान' गीत ने लोकप्रियता की सारी सीमाएं तोड़ दी, ये गीत देश के जन जन की आवाज़ बन गया और इस गीत को उस समय जनता द्वारा राष्ट्रगीत घोषित करने की मांग की गई .

इसी प्रकार 1942 की अनिल बिस्वास के संगीत से सजी उनके गीतों वाली फ़िल्म 'किस्मत' के गीतों ने उन्हें देश के घर घर में लोकप्रिय कर दिया . इस फ़िल्म के गीत 'धीरे धीरे आ रे बादल', 'अब तेरे सिवा' और 'दूर हटो ए दुनियावालों हिंदुस्तान हमारा है' को लोग आज तक नहीं भूले हैं, विशेषकर 'दूर हटो ऐ दुनियावालों' गाने पर थिएटर में दर्शक झूम उठते थे और नाचने लगते थे. 'दूर हटो ऐ दुनिया वालों, हिन्दुस्तान हमारा है', गीत ब्रिटिश शासन के दौरान परोक्ष रूप से स्वतंत्रता का उद्घोष था, कहा जाता है कि इस गीत ने अंग्रेज़ सरकार को भी असहज कर दिया था. इसके पश्चात उन्होंने प्रीत का गीत, मशाल, बाप बेटी, जागृति, नास्तिक, वामानअवतार, ललकार, दशहरा, चंडीपूजा, नागमणि, तलाक, पैगाम, दो बहिंनें, शंकर सती अनुसूईया, श्री राम भरत मिलन, सम्बन्ध, कभी धूप कभी छाँव, तुलसी विवाह, बालमहाभारत आदि फिल्मों के लिये कई सुन्दर अर्थपूर्ण व लोकप्रिय गीत लिखे.

उनके लिखे कुछ अमर गीत, 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झांकी हिंदुस्तान की' (जागृति), 'हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के' (जागृति), 'दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल' (जागृति), 'देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान' (नास्तिक), 'तेरे द्वार खड़ा भगवान'' (वामन अवतार), 'क़ोई लाख करें चतुराई' (चंडी पूजा), 'पिंज़रे के पंछी रे' (नागमणी), 'मुखड़ा देख रे प्राणी' (दो बहनें), 'दूसरों का दुखड़ा दूर करने वाले' (दशहरा) 'ऊपर गगन विशाल' (मशाल), 'बिगुल बज रहा है आजादी का' (तलाक), 'चल अकेला चल अकेला' (सम्बन्ध) आदि हैं . इन महान गीतों ने प्रदीप जी को न केवल लोकप्रियता, बल्कि अमरत्व भी प्रदान किया. इसी प्रकार 1975 में आई छोटे बजट की धार्मिक फ़िल्म 'जय संतोषी मां' में उनके द्वारा लिखे और कम चर्चित संगीतकार सी अर्जुन द्वारा संगीतबद्ध गीतों ने सारे देश में धूम मचा दी इस फ़िल्म के 'मैं तो आरती उतारूँ रे संतोषी माता की', 'करती हूँ तुम्हारा व्रत मैं', 'मदद करो संतोषी माता', 'यहाँ वहाँ जहाँ तहाँ', 'मत रो मत रो आज राधिके' आदि गीतों ने लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए . ये गीत आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं

कवि प्रदीप अपने गीतों में अत्यंत सरल शब्दों के माध्यम से गहरा संदेश देने की कला रखते थे. सरल, सहज भाषा, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना, मानवीय मूल्यों के प्रति गहरी आस्था, समाज की विसंगतियों पर प्रहार और सदाचार की प्रेरणा उनके गीतों व कविताओं की प्रमुख विशेषताएं थीं, उनके गीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना और आत्मबोध का माध्यम हैं, उनमें देश और समाज के प्रति कर्तव्य का संदेश होता था. उन्होंने 'मिस कमल, बी.ए.' के तखल्लुस के साथ भी कुछ फिल्मों के गीत लिखे और 'गर्ल्स स्कूल' नाम की एक फ़िल्म का निर्माण भी किया, कवि होने के साथ साथ वो एक बेहतरीन गायक भी थे, उनके गाये अधिकांश गीत अत्यंत लोकप्रिय हुए और जन जन की आवाज़ बन गए.

कवि प्रदीप हिन्दी फिल्मों के उन गीतकारों में थे जिनके गीत आज भी राष्ट्रीय पर्वों, सांस्कृतिक आयोजनों और जनमानस में जीवित हैं. उन्हें सरकार ने 1997 में प्रतिष्ठित दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया.

कवि प्रदीप का जीवन और उनका साहित्य भारतीय संस्कृति और फिल्मों का स्वर्णिम अध्याय है. उन्होंने साबित किया कि गीत और कविता केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि समाज के हृदय की धड़कन भी हो सकती है.

उनकी कविताओं व गीतों की राष्ट्रभक्ति की लौ आज भी दुनिया भर में भारतीयों के मन में जगमगा रही है. कवि प्रदीप की रचनाएँ इसी प्रकार हर युग, हर पीढ़ी को प्रेरित करती रहेंगी. आज के लिये इतना ही, अगले हफ्ते फिर मुलाक़ात होगी तब तक महाकवि पंडित प्रदीप जी का ये अमर गीत सुनिए...

आज हिमालय की चोटी से फिर हम ने ललकारा है
दूर हटो ऐ दुनिया वालों हिन्दुस्तान हमारा है...

अच्छा दिखने से ज्यादा जरूरी है अच्छा महसूस करना : कुब्रा

अभिनेत्री और टेलीविज़न होस्ट कुब्रा सैत का कहना है कि उनके लिये अच्छा दिखने से ज़्यादा अच्छा महसूस करना है.

कुब्रा सैत फिटनेस की एक नई, संतुलित और सशक्त परिभाषा पेश करती हैं, जहां शरीर के वज़न से कहीं अधिक महत्व मानसिक मजबूती और आत्म-जागरूकता है. बॉडी इमेज और मानसिक स्वास्थ्य पर अपनी बेबाक राय के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा का मानना है कि वेलनेस की असली शुरुआत मन से होती है और वहीं से शरीर तक उसका प्रभाव पहुँचता है.

कुब्रा ने साझा किया कि समय के साथ स्वास्थ्य को लेकर उनकी सोच कैसे बदली, उनकी ज़िंदगी में थेरेपी की भूमिका कितनी अहम रही और किस तरह अनुशासित जीवन ने उन्हें आज के तनावपूर्ण दौर में भी संतुलित बनाए रखा है.

कुब्रा के अनुसार, आधुनिक फिटनेस संस्कृति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि लोग दिखावे पर ज़्यादा ज़ोर देते हैं. वे कहती हैं, 'आज हम सभी जानकारियों से भरे फिटनेस हैक्स और ट्रेंड्स की बौछार में इस तरह घिरे हुए हैं, कि हमारा पूरा ध्यान केवल शरीर पर केंद्रित रहता है. हम यह भूल जाते हैं कि हर शरीर अलग होता है. खुद पर जो दबाव हम डालते हैं, वह अच्छा दिखने के लिए होता है, न कि सच में अच्छा महसूस करने के लिए. हालांकि मेरे लिए फिटनेस का मतलब है एक स्वस्थ मन.'

कोविड-19 का दौर कुब्रा की वेलनेस यात्रा में एक अहम मोड़ साबित हुआ. इसी दौरान उन्होंने समझा कि तनाव, हार्मोन और मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से कितनी गहराई से जुड़े हैं. कुब्रा ने बताया, 'कोविड के दौरान मुझे यह समझ आया कि किस तरह डोपामिन, एस्ट्रोजन, टेस्टोस्टेरोन और सेरोटोनिन जैसे रसायनों से भरा हुआ हमारा शरीर कैसे काम करता है, जिन्हें दिमाग नियंत्रित करता है.'

कुब्रा इस बात पर भी ज़ोर देती हैं कि तनाव केवल मानसिक स्थिति को ही नहीं, बल्कि सीधे तौर पर शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है.

कुब्रा के अनुसार, 'तनाव से कॉर्टिसोल बढ़ता है, और जब कॉर्टिसोल बढ़ता है, तो शरीर वज़न तक कम नहीं कर पाता.

47 वर्ष की हुई विद्या बालन

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री विद्या बालन आज 47 वर्ष की हो गयी.

01 जनवरी 1979 को जन्मीं विद्या बालन बचपन के दिनों से ही अभिनेत्री बनने का ख्वाब देखा करती थीं. वर्ष 1995 में विद्या बालन को जीटीवी पर प्रसारित धारावाहिक हम पांच में काम करने का अवसर मिला. विद्या बालन ने फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2003 में प्रदर्शित बांग्ला फिल्म भालो थेको से की. विद्या ने बालीवुड में अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2005 में प्रदर्शित विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म परिणीता से की. इस फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार दिया गया. फिल्म में विद्या बालन के अपोजिट संजय दत्त थे. फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई.

वर्ष 2006 में विद्या बालन को एक बार फिर से विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजय दत्त के साथ काम करने का अवसर मिला. वर्ष 2007 में विद्या बालन को मणिरत्नम की फिल्म गुरू में काम करने का अवसर मिला.फिल्म में विद्या की भूमिका छोटी थी बावजूद इसके उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया. इसके बाद विद्या बालन की हे बेबी और भुल भुलैया जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुयी.भुल भुलैया के लिये विद्या सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित भी हुयी.वर्ष 2009 में प्रदर्शित फिल्म पा में विद्या बालन ने अमिताभ बच्चन की मां का किरदार निभाया.इस फिल्म के लिये उन्हे सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्म फेयर पुरस्कार दिया गया.

वर्ष 2010 में प्रदर्शित फिल्म इश्किया विद्या बालन के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है.इस फिल्म में विद्या बालन के अभिनय का नया रूप दर्शकों को देखने को मिला1फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये वह फिल्मफेयर द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के क्रिटिक्स पुरस्कार से सम्मानित की गयी.

वर्ष 2011 में प्रदर्शित फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' विद्या बालन के करियर की सबसे कामयाब फिल्म साबित हुई. एकता कपूर के बैनर तले बनी इस फिल्म में विद्या बालन में दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सिल्क स्मिता के किरदार को रूपहलें पर्दे पर जीवंत कर दिया. फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार और फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

वर्ष 2012 में प्रदर्शित फिल्म कहानी भी विद्या बालन के करियर के लिये मील का पत्थर साबित हुयी.इस फिल्म के जरिये विद्या बालन ने अपने सधे हुये अभिनय से दिखा दिया कि ग्लैमर का सहारा लिये बगैर फिल्म को सुपरहिट बनाया जा सकता है.इस फिल्म के लिये भी विद्या को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्म फेयर पुरस्कार दिया गया.इसी वर्ष विद्या ने यूटीवी के सीइओ सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी कर ली. वर्ष 2014 में विद्या बालन पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित की गयी.

इसके बाद विद्या ने शादी के साइड इफेक्टस, बॉबी जासूस, तीन कहानी 2, बेगम जान, तुम्हारी सुलु, मिशन मंगल, शकुंतला देवी, शेरनी ,जलसा और नीयत जैसी फिल्मों में काम किया है. वर्ष 2024 में विद्या बालन ने फिल्म दो और दो प्यार और भुलभूलैया 3 में काम किया. फिल्म भूल भुलैया 3 बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुयी है.

अमिताभ 32 मिनट लगातार गाते हुए नजर आएंगे

सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में महानायक और शो के होस्ट अमिताभ बच्चन 32 मिनट तक लगातार गाते हुए नजर आएंगे. 'कौन बनेगा करोड़पति' का 17वां सीजन, फिनाले के करीब पहुंच गया है. इस सीजन के आखिरी एपिसोड में अमिताभ बच्चन फैंस को अपने स्पेशल सरप्राइज से हैरान करने वाले हैं. अमिताभ अंतिम एपिसोड में 32 मिनट तक नॉन स्टॉप गाने गाते नजर आएंगे.

अमिताभ, केबीसी 17 शो का समापन करते हुए कई सुपरहिट और यादगार गाने गाते दिखेंगे. इनमें जैसे 'होरी खेले रघुवीरा,'रंग बरसे भीगे चुनरवाली', 'मेरे अंगने में' और कुछ खास पारंपरिक गीत भी शामिल है.

आने वाले एपिसोड्स में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी नजर आएंगे.वह अपनी आने वाली फिल्म 'इक्कीस' का प्रमोशन करने आएंगे. उनके साथ फिल्म की पूरी टीम होगी, साथ ही उनकी मां श्वेता बच्चन और बहन नव्या नवेली नंदा भी दर्शकों में मौजूद रहेंगी.

पंजाबी फिल्म में डेब्यू करेगी ईशा मालवीय

'बिग बॉस 17' की प्रतिभागी ईशा मालवीय आने वाली पंजाबी फिल्म 'इश्कां दे लेखे' से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. ईश इस फिल्म में लोकप्रिय गायक एवं अभिनेता गुरनाम भुल्लर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी. ईशा ने यह खबर इंस्टाग्राम पर साझा की, जहां उन्होंने फिल्म का पोस्टर पोस्ट किया जिसमें मुख्य किरदारों के नाम भी उजागर किए गए. फिल्म में वे जसनीत का किरदार निभाएंगी, जबकि गुरनाम भुल्लर समर के रोल में होंगे. पोस्टर के साथ ईशा ने एक मजेदार कैप्शन लिखा: 'समझी पगली? समर और जसनीत एक पैरेलल यूनिवर्स में गुरनाम भुल्लर ऑफिशियल. इश्कांदेलेखे के लिए तैयार हो जाओ.' मनवीर बरार द्वारा निर्देशित और जस्सी लोहका द्वारा लिखित 'इश्कां दे लेखे' एक रोमांटिक प्रेम कहानी है, जो 6 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. ईशा ने मनोरंजन उद्योग में अपना सफर बहुत कम उम्र में शुरू किया था, जहां उन्होंने बूगी वूगी, डांस इंडिया डांस और डांस प्लस जैसे डांस रियलिटी शो में हिस्सा लिया. 'बिग बॉस 17' में अपनी भागीदारी से व्यापक प्रसिद्धि प्राप्त कीं, जहां वह सबसे ज्यादा चर्चित प्रतिभागियों में से एक बनीं और वीक 14 में एविक्ट होने से पहले फिनाले से थोड़ा चूक गईं. बिग बॉस 17 के बाद, ईशा अभिषेक कुमार के साथ 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आईं और अपनी डांस स्किल्स दिखाती रहीं, खासकर गाने 'शकी' में उनके परफॉर्मेंस ने काफी ध्यान खींचा. अपनी पंजाबी फिल्म डेब्यू के साथ, ईशा अब अपने विकसित हो रहे मनोरंजन करियर में अगला कदम उठा रही हैं.

प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' का पहला पोस्टर रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगा स्टार प्रभास की आने वाली फिल्म 'स्पिरिट' का पहला पोस्टर रिलीज हो गया है. संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी नजर आएंगी. संदीप रेड्डी वांगा ने इंस्टाग्राम पर 'स्पिरिट' का पोस्टर शेयर करते हुए ने लिखा, 'भारतीय सिनेमा... अपने अजनुबाहु/अजनुबाहु को देखें. नये साल 2026 की शुभकामनाएं, स्पिरिट फर्स्ट लुक.'

पोस्टर में खिड़की के पास घायल अवस्था में बिना शर्ट के प्रभास दिखाई दे रहे हैं, जबकि तृप्ति डिमरी उनकी सिगरेट जलाती नजर आ रही हैं. प्रभास ने ऑफ-व्हाइट पैंट और काले चश्मे पहने हैं, जबकि तृप्ति देसी लुक में नजर आ रही हैं. फिल्म 'स्पिरिट' में प्रभास और तृप्ति मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि प्रकाश राज, विवेक ओबेरॉय और कंचना सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे. इस फिल्म में प्रभास अपने करियर में पहली बार एक पुलिस ऑफिसर का रोल करेंगे.

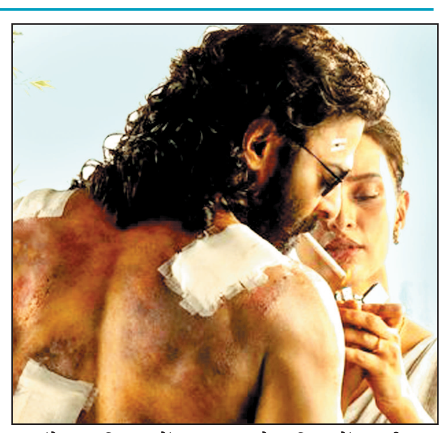

यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से नयनतारा का पहला लुक रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक, ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स से अभिनेत्री नयनतारा का पहला लुक रिलीज हो गया है. फिल्म टॉक्सिक, ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स से नयनतारा का गंगा वाला जबरदस्त पोस्टर रिलीज़ कर दिया गया है .गंगा के रूप में नयनतारा का लुक विज़ुअली स्टनिंग है .निर्भीक, निडर और पूरी तरह कंट्रोल में . स्क्रीन पर उनकी कमांडिंग मौजूदगी, हाथ में बंदूक और चेहरा पूरी तरह कॉन्फिडेंस से भरा हुआ एक साथ एलीगेंट भी और खतरनाक भी . निर्देशक गीतू मोहनदास ने नयनतारा को कास्ट करने पर कहा, 'हम सब नयन को उनकी स्ट्रॉन्ग स्क्रीन प्रेज़ेंस और शानदार करियर के लिए जानते हैं, लेकिन टॉक्सिक में दर्शक एक ऐसी नयन देखेंगे जो बस फटने को तैयार थी . मैंने उन्हें पहले कभी न दिखाए गए तरीके से पेश करना चाहा था . शूट के दौरान महसूस हुआ कि गंगा सिर्फ उनका निभाया किरदार नहीं है, बल्कि वो खुद उसकी आत्मा जैसी हैं .ईमानदारी, गहराई, कंट्रोल और इमोशनल क्लैरिटी... ये सब वो पहले से लेकर आई थीं . मुझे अपनी गंगा मिल गई... और साथ में एक प्यारी दोस्त भी .' वेंकट के . नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शन्स और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बन रही फिल्म टॉक्सिक 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी .

करीना कपूर ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

करीना कपूर ने साल 2025 को भावुक अंदाज में अलविदा कहा. सैफ अली खान पर हमले के बाद का मुश्किल दौर याद करते हुए एक्ट्रेस ने फैंस का आभार जताया.

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने साल 2025 को बेहद भावुक अंदाज में विदाई दी है. नए साल से ठीक पहले करीना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बीते साल को अपने और अपने परिवार के लिए 'मुश्किल' बताया. इस पोस्ट में उन्होंने न सिर्फ अपने दर्द और संघर्ष को बयां किया, बल्कि उन लोगों का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस कठिन समय में उनका साथ दिया. करीना कपूर ने इंस्टाग्राम पर पति सैफ अली खान के साथ एक तस्वीर शेयर की है. यह फोटो किसी रेस्टोरेंट की लग रही है, जहां दोनों मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने पोज दे रहे हैं. तस्वीर में कपल शांत और मजबूत नजर आ रहा है, लेकिन इसके पीछे छिपी कहानी बेहद भावुक है.

गौरतलब है कि इसी साल 16 जनवरी को एक अनजान शख्स ने सैफ अली खान के घर में घुसकर उन पर चाकू से हमला कर दिया था. इस घटना के बाद सैफ को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सर्जरी हुई थी. यह दौर करीना और उनके परिवार के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं था.

टाइगर श्रॉफ के साथ काम करेंगी कृति शेट्टी!

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री कृति शेट्टी, बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं. टाइगर श्रॉफ ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक मिलाप जावेरी से हाथ मिलाया है. यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसे टी-सीरीज अपने बैनर तले प्रोड्यूस करेगा.

चर्चा है कि इस फिल्म में कृति शेट्टी नजर आएंगी. इस फिल्म की शूटिंग 21 जनवरी को शुरू होगी और दो महीने का शूटिंग शेड्यूल प्लान किया गया है.

मुंबई की अलग-अलग लोकेशंस पर हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जो शहर की वाइब्रेंट बैकग्राउंड देगा. मेकर्स इस फिल्म को 2026 के दूसरे हाफ में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं.